Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

(Prime Report)

Kiara ID: 50011213 Date: 04/04/2020 Validity : 3 Months Only

नाम: Sumanta Kr Gope	जन्म तिथि: 06/11/1973	जन्म समय: 04:30 AM
जन्म स्थान: Jamsheedpur	मांगलिक योग: नहीं (No)	इष्ट देव: Shani Dev

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Budh (व)(अस्त)	0%	Surya (नीच)	80%
2.	Chandra	70%	Guru (नीच)	60%
3.	Shani (व)	80%	Shukra	50%
4.	Ketu (व)	50%	Mangal (व)	50%
5.			Rahu (व)	50%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, बुध का पन्ना अवश्य धारण करें। भाग्य साथ देगा धारण करने से।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, सूर्य ग्रहण योग

4. शुभ दिन: बुधवार, सोमवार, शनिवार

5. शुभ रंग: हरा, सफेद, काला अशुभ: (लाल, मरून, पीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना	6+	Right	Little	चाँदी में बुधवार को 8:15 AM पर धारण करें।
2. नीलम (नीली)	6	Right	Middle	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज मे शनिवार को शाम को 7:15 AM पर धारण करें (After Sunset).
3.				

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

माणिक, पुखराज, ओपल, मूँगा, गोमेद आदि रत्न वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi- 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM) (8:15 PM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : गुरु : (बृहस्पति देव) : गुरु का भाव छठे, रोगों, कर्ज, शत्रु, Promotion in job की आदि समस्या समाप्त करेगा।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

बुध की महादशा : 02/04/2008 to 02/04/2025 – अच्छी या सामान्य – (0%)

पन्ना धारण करने से बुध देव अपना result में वृद्धि करेंगे।
बुध अस्त होने के कारण शुभ परिणाम नहीं दे पाएंगे।

बुध/राहु : 28/09/2017 to 17/04/2020 : खराब दशा (70%)

↳ रोजाना खर्च के पैसों में दिक्कत आएगी, पत्नी से दूरियाँ व कलह-क्लेश हो सकता है। भाग्य साथ नहीं देगा, Job में समस्या, seniors का support नहीं मिलेगा, सामाजिक मेलामिलाप का क्षेत्र खराब हो रहा है। समाज से दूर रहने का योग।
धन लाभ में कमी आदि रहेगी।
छोटे मोटे रोग लगे रहेंगे। मनोकामनाएं पूर्ण नहीं होगी।

* राहु के जाप व दान पूर्णाप्ति के बाद हर शनिवार तथा अमावस्या को अवश्य करें।

बुध/गुरु : 18/04/2020 to 24/07/2022 : खराब समय (50-60%)

सिर्फ Job Change या Job के लिए अनुकूल रहेगा।
Rest सभी के लिए समस्याएं देंगे। Hospital Bills बढ़ेगा, खर्च बढ़ेगा, माता जी की Health खराब रहने का योग बनता है obstacles, obstacles in work, मानसिक तनाव, Anxiety आदि बढ़ेगा, कर्जा हो सकता है। शत्रु बढ़ेंगे। (गुरु का दान अवश्य करें।)

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

* upto 05/08/2020 – समस्या ज्यादा रहेगी।

→ 06/08/2020 to 14/12/2020 – आराम मिलेगा, Problems कम होंगे, धन लाभ में वृद्धि होगी, मनोकामनाऐं पूर्ण हो सकती है। Job के लिए अच्छा समय रहेगा।

↳ गुरु का दान करते रहें। केले के पेड़ को जल व सेवा करें।

→ 15/12/2020 to 11/04/2021 : खराब + सामान्य + (if Emerald wear)

↳ (गुरु का दान)

→ 12/04/2021 to 29/05/2021 : (अनुकूल समय हो सकता है।)
(if गुरु का दान व उपाय करते हैं।)
(Uncertain gains हो सकता है।)

→ 30/05/2021 to 14/10/21 — खराब

↳ (गुरु तथा शुक्र के उपाय करें।)

→ 15/10/21 to 24/11/21 → खराब समय (ज्यादा)

↳ (गुरु तथा सूर्य के उपाय करें।)

→ 25/11/21 to 01/02/2022 → अनुकूल समय if Continue remedies of Guru.

→ (24/01/2020 से साढ़ेसाती चल रही है।
शनि देव का मन्त्रजाप व पूजन अवश्य करें।)

Scanned with CamScanner

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना; मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई; चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले के पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः
Call: 08674827268

(Prime Report)

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)** (साढेसाती मे करना है) साढेसाती चलरही है
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Celebrity & Family Astrologer: *Somvir Singh* **(B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee)**, Published Book – *Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis.* **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011213 Date: 06/04/2020

Sumanta Kumar Gope

06 Nov 1973 04:30 AM

Jamshedpur

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Sumanta Kumar Gope

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011213 Date: 06/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **5-06/11/1973**
दिन	: सोम–मंगलवार
जन्म समय	: **04:30:00 ांटे**
इष्ट	: 56:34:28 घटी
स्थान	: **Jamshedpur**
राज्य	: Jharkhand
देश	: India

अक्षांश	: 22:47:00 उत्तर
रेखांश	: 86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 04:44:48 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	: 07:44:54 घंटे
सूर्योदय	: 05:52:12 घंटे
सूर्यास्त	: 17:05:19 घंटे
दिनमान	: 11:13:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 19:53:47 तुला
लग्न के अंश	: 00:33:27 तुला

चैत्रादि संवत / शक	: 2030 / 1895
मास	: कार्तिक
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 10
तिथि समाप्ति काल	: 27:16:56
जन्म तिथि	: 11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: शतभिषा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 27:34:17 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
सूर्योदय कालीन योग	: ध्रुव
योग समाप्ति काल	: 27:49:06 घंटे
जन्म योग	: व्याघात
सूर्योदय कालीन करण	: तैतिल
करण समाप्ति काल	: 15:00:13 घंटे
जन्म करण	: वणिज
भयात	: 02:19:19
भभोग	: 61:19:34
भोग्य दशा काल	: गुरु 15 वर्ष 4 मा 25 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: तुला – शुक्र
राशि–स्वामी	: **कुम्भ – शनि**
नक्षत्र–चरण	: **पू०भाद्रपद – 1**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: व्याघात
करण	: वणिज
गण	: मनुष्य
योनि	: सिंह
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: से–सेनजित
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ात चक्र	
मास	: चैत्र
तिथि	: 3-8-13
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: आर्द्रा
योग	: गण्ड
करण	: किंस्तुघ्न
प्रहर	: 3
वर्ग	: श्वान
लग्न	: मिथुन
सूर्य	: वृष
चन्द्र	: धनु
मंगल	: मिथुन
बुध	: वृष
गुरु	: कर्क
शुक्र	: सिंह
शनि	: मेष
राहु	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:33:27	327:40:57	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	———
सूर्य			तुला	19:53:47	01:00:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	20:29:49	12:51:00	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मेष	04:28:48	00:15:25	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	तुला	29:52:07	00:59:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मक	11:07:21	00:07:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शुक्र			धनु	06:49:30	01:02:54	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		मिथु	10:53:51	00:02:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	06:11:52	00:05:11	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:11:52	00:05:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			तुला	01:10:57	00:03:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	———
नेप			वृश्चि	12:47:46	00:02:07	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	———
प्लूटो			कन्या	12:12:57	00:01:55	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	———
दशम भाव			कर्क	00:49:33	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	मंगल	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:46

लग्न–चलित

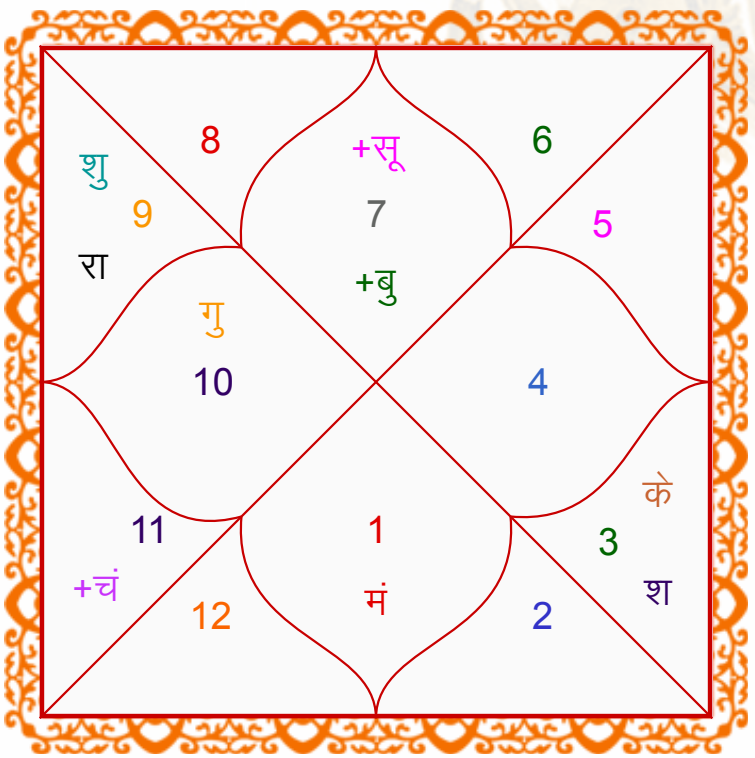

चन्द्र कुंडली

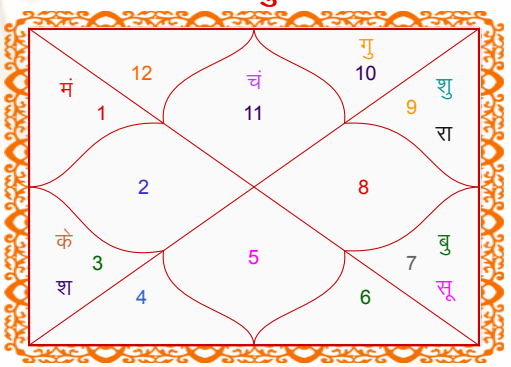

नवमांश कुंडली

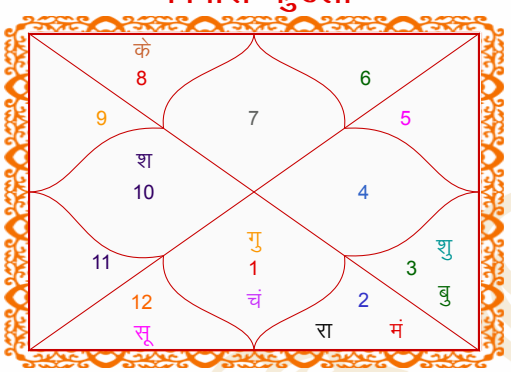

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	3	36	38	45	2	23	17
सप्तवर्गज बल	53	94	124	141	79	83	60
ओजयुग्मक बल	15	0	15	30	15	0	15
केन्द्र बल	60	30	60	60	60	15	15
द्रेष्काण बल	0	15	15	0	0	0	15
कुल स्थान बल	131	175	252	276	156	121	122
कुल दिग्बल	24	43	31	50	26	52	37
नतोन्नत बल	25	35	35	60	25	25	35
पक्ष बल	20	80	20	20	40	40	20
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	0	60
अयन बल	19	38	44	54	5	0	0
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	64	199	159	134	131	65	160
कुल चेष्टाबल	0	0	54	58	29	37	45
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-8	-14	-3	-7	-29	-21	7
कुल षट्बल	270	454	510	537	347	297	379
रूप षट्बल	4.5	7.6	8.5	8.9	5.8	4.9	6.3
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	0.9	1.3	1.7	1.3	0.9	0.9	1.3
संबंधित पद	5	4	1	2	7	6	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	7.16	37.95	45.26	51.26	7.72	29.48	27.57
कष्ट फल	50.21	21.87	11.39	5.01	42.22	28.84	25.57

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	297	510	347	379	379	347	510	297	537	454	270	537
भावदिग्बल	60	10	40	0	20	40	30	40	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	39	-3	-20	-7	28	39	27	89	94	69	62	33
कुल भाव बल	396	518	367	371	427	426	568	426	651	523	382	620
रूप भाव बल	6.6	8.6	6.1	6.2	7.1	7.1	9.5	7.1	10.8	8.7	6.4	10.3
संबंधित पद	9	5	12	11	6	7	3	8	1	4	10	2

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

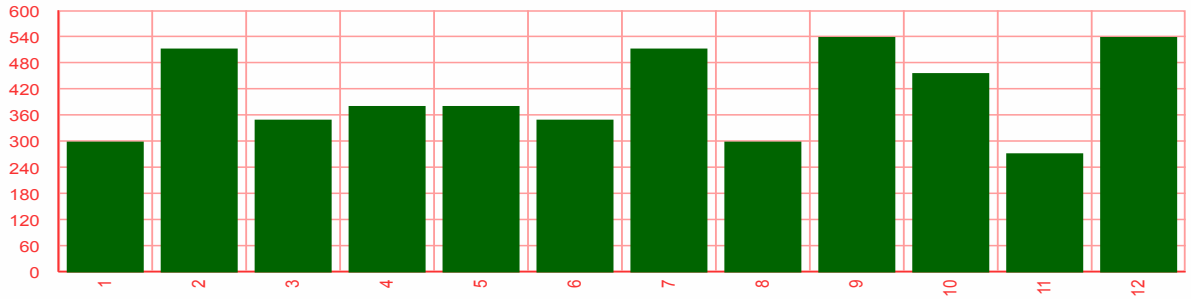

भावदिग्बल

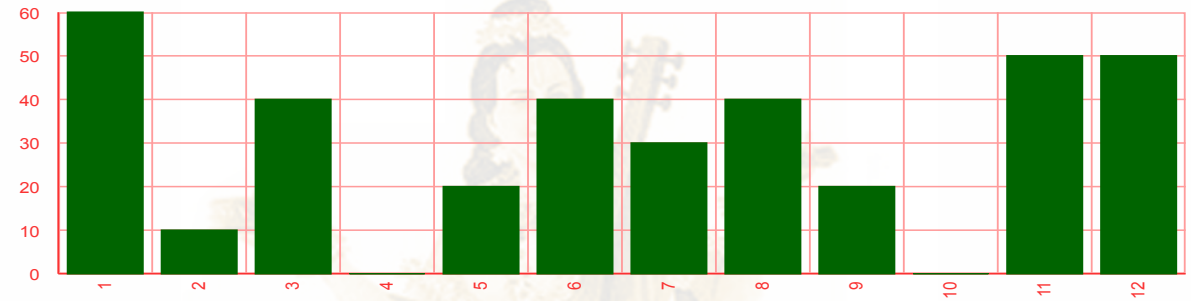

भावदृष्टि बल

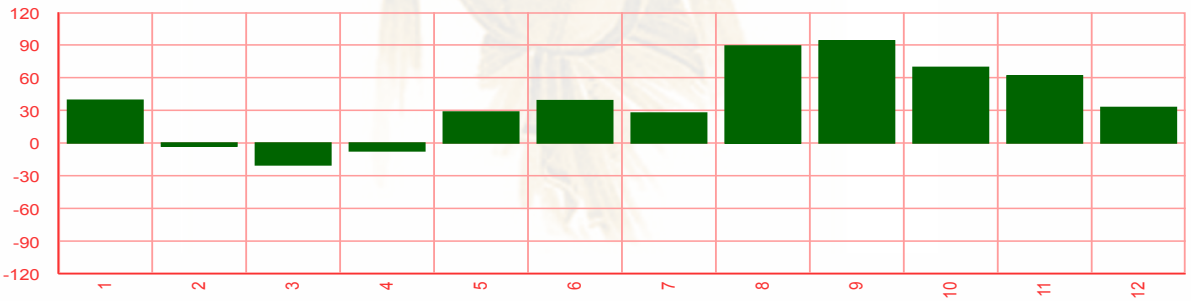

भाव बल

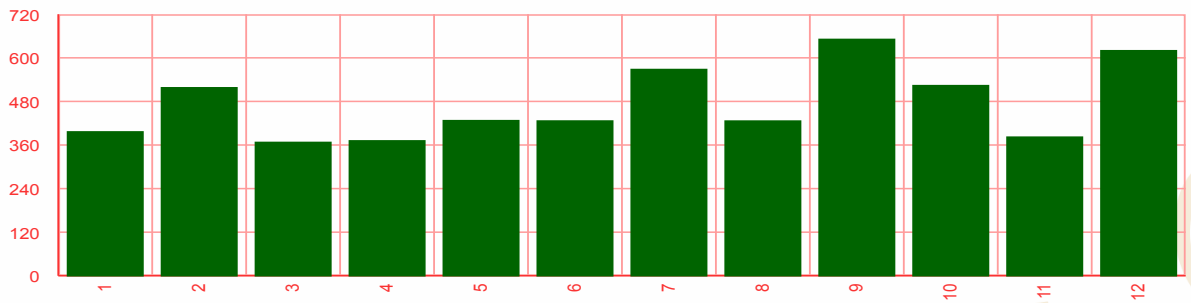

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 4 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष	
06/11/1973	
02/04/1989	
गुरु	21/05/1975
शनि	01/12/1977
बुध	08/03/1980
केतु	12/02/1981
शुक्र	14/10/1983
सूर्य	01/08/1984
चंद्र	01/12/1985
मंगल	07/11/1986
राहु	02/04/1989

शनि 19 वर्ष	
02/04/1989	
02/04/2008	
शनि	05/04/1992
बुध	14/12/1994
केतु	23/01/1996
शुक्र	24/03/1999
सूर्य	05/03/2000
चंद्र	05/10/2001
मंगल	13/11/2002
राहु	19/09/2005
गुरु	02/04/2008

बुध 17 वर्ष	
02/04/2008	
02/04/2025	
बुध	29/08/2010
केतु	26/08/2011
शुक्र	26/06/2014
सूर्य	03/05/2015
चंद्र	01/10/2016
मंगल	28/09/2017
राहु	17/04/2020
गुरु	24/07/2022
शनि	02/04/2025

केतु 7 वर्ष	
02/04/2025	
02/04/2032	
केतु	29/08/2025
शुक्र	29/10/2026
सूर्य	06/03/2027
चंद्र	05/10/2027
मंगल	02/03/2028
राहु	21/03/2029
गुरु	25/02/2030
शनि	05/04/2031
बुध	02/04/2032

शुक्र 20 वर्ष	
02/04/2032	
02/04/2052	
शुक्र	02/08/2035
सूर्य	01/08/2036
चंद्र	02/04/2038
मंगल	02/06/2039
राहु	02/06/2042
गुरु	31/01/2045
शनि	02/04/2048
बुध	31/01/2051
केतु	02/04/2052

सूर्य 6 वर्ष	
02/04/2052	
02/04/2058	
सूर्य	20/07/2052
चंद्र	19/01/2053
मंगल	27/05/2053
राहु	20/04/2054
गुरु	07/02/2055
शनि	20/01/2056
बुध	25/11/2056
केतु	02/04/2057
शुक्र	02/04/2058

चंद्र 10 वर्ष	
02/04/2058	
02/04/2068	
चंद्र	31/01/2059
मंगल	02/09/2059
राहु	02/03/2061
गुरु	02/07/2062
शनि	01/02/2064
बुध	02/07/2065
केतु	31/01/2066
शुक्र	02/10/2067
सूर्य	02/04/2068

मंगल 7 वर्ष	
02/04/2068	
02/04/2075	
मंगल	29/08/2068
राहु	16/09/2069
गुरु	23/08/2070
शनि	02/10/2071
बुध	28/09/2072
केतु	24/02/2073
शुक्र	26/04/2074
सूर्य	01/09/2074
चंद्र	02/04/2075

राहु 18 वर्ष	
02/04/2075	
02/04/2093	
राहु	14/12/2077
गुरु	08/05/2080
शनि	15/03/2083
बुध	01/10/2085
केतु	20/10/2086
शुक्र	20/10/2089
सूर्य	13/09/2090
चंद्र	14/03/2092
मंगल	02/04/2093

गुरु 16 वर्ष	
02/04/2093	
00/00/0000	
गुरु	06/11/2093
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु	
28/09/2017	
17/04/2020	
राहु	15/02/2018
गुरु	19/06/2018
शनि	14/11/2018
बुध	26/03/2019
केतु	19/05/2019
शुक्र	21/10/2019
सूर्य	07/12/2019
चंद्र	23/02/2020
मंगल	17/04/2020

बुध - गुरु	
17/04/2020	
24/07/2022	
गुरु	05/08/2020
शनि	14/12/2020
बुध	11/04/2021
केतु	29/05/2021
शुक्र	14/10/2021
सूर्य	24/11/2021
चंद्र	01/02/2022
मंगल	22/03/2022
राहु	24/07/2022

बुध - शनि	
24/07/2022	
02/04/2025	
शनि	26/12/2022
बुध	15/05/2023
केतु	11/07/2023
शुक्र	22/12/2023
सूर्य	09/02/2024
चंद्र	01/05/2024
मंगल	27/06/2024
राहु	22/11/2024
गुरु	02/04/2025

केतु - केतु	
02/04/2025	
29/08/2025	
केतु	11/04/2025
शुक्र	05/05/2025
सूर्य	13/05/2025
चंद्र	25/05/2025
मंगल	03/06/2025
राहु	25/06/2025
गुरु	15/07/2025
शनि	08/08/2025
बुध	29/08/2025

केतु - शुक्र	
29/08/2025	
29/10/2026	
शुक्र	08/11/2025
सूर्य	29/11/2025
चंद्र	04/01/2026
मंगल	29/01/2026
राहु	03/04/2026
गुरु	29/05/2026
शनि	05/08/2026
बुध	04/10/2026
केतु	29/10/2026

केतु - सूर्य	
29/10/2026	
06/03/2027	
सूर्य	05/11/2026
चंद्र	15/11/2026
मंगल	23/11/2026
राहु	12/12/2026
गुरु	29/12/2026
शनि	18/01/2027
बुध	05/02/2027
केतु	13/02/2027
शुक्र	06/03/2027

केतु - चंद्र	
06/03/2027	
05/10/2027	
चंद्र	24/03/2027
मंगल	05/04/2027
राहु	07/05/2027
गुरु	05/06/2027
शनि	08/07/2027
बुध	07/08/2027
केतु	20/08/2027
शुक्र	24/09/2027
सूर्य	05/10/2027

केतु - मंगल	
05/10/2027	
02/03/2028	
मंगल	14/10/2027
राहु	05/11/2027
गुरु	25/11/2027
शनि	19/12/2027
बुध	09/01/2028
केतु	17/01/2028
शुक्र	11/02/2028
सूर्य	19/02/2028
चंद्र	02/03/2028

केतु - राहु	
02/03/2028	
21/03/2029	
राहु	29/04/2028
गुरु	19/06/2028
शनि	19/08/2028
बुध	12/10/2028
केतु	03/11/2028
शुक्र	06/01/2029
सूर्य	25/01/2029
चंद्र	26/02/2029
मंगल	21/03/2029

केतु - गुरु	
21/03/2029	
25/02/2030	
गुरु	05/05/2029
शनि	28/06/2029
बुध	15/08/2029
केतु	04/09/2029
शुक्र	31/10/2029
सूर्य	17/11/2029
चंद्र	16/12/2029
मंगल	04/01/2030
राहु	25/02/2030

केतु - शनि	
25/02/2030	
05/04/2031	
शनि	30/04/2030
बुध	26/06/2030
केतु	20/07/2030
शुक्र	25/09/2030
सूर्य	15/10/2030
चंद्र	18/11/2030
मंगल	12/12/2030
राहु	10/02/2031
गुरु	05/04/2031

केतु - बुध	
05/04/2031	
02/04/2032	
बुध	27/05/2031
केतु	17/06/2031
शुक्र	16/08/2031
सूर्य	03/09/2031
चंद्र	04/10/2031
मंगल	25/10/2031
राहु	18/12/2031
गुरु	04/02/2032
शनि	02/04/2032

शुक्र - शुक्र	
02/04/2032	
02/08/2035	
शुक्र	22/10/2032
सूर्य	21/12/2032
चंद्र	02/04/2033
मंगल	12/06/2033
राहु	12/12/2033
गुरु	23/05/2034
शनि	02/12/2034
बुध	23/05/2035
केतु	02/08/2035

शुक्र - सूर्य	
02/08/2035	
01/08/2036	
सूर्य	20/08/2035
चंद्र	20/09/2035
मंगल	11/10/2035
राहु	05/12/2035
गुरु	23/01/2036
शनि	20/03/2036
बुध	11/05/2036
केतु	01/06/2036
शुक्र	01/08/2036

शुक्र - चंद्र	
01/08/2036	
02/04/2038	
चंद्र	21/09/2036
मंगल	27/10/2036
राहु	26/01/2037
गुरु	17/04/2037
शनि	22/07/2037
बुध	17/10/2037
केतु	21/11/2037
शुक्र	03/03/2038
सूर्य	02/04/2038

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल	
02/04/2038	
02/06/2039	
मंगल	27/04/2038
राहु	30/06/2038
गुरु	26/08/2038
शनि	01/11/2038
बुध	01/01/2039
केतु	25/01/2039
शुक्र	06/04/2039
सूर्य	28/04/2039
चंद्र	02/06/2039

शुक्र - राहु	
02/06/2039	
02/06/2042	
राहु	14/11/2039
गुरु	08/04/2040
शनि	28/09/2040
बुध	02/03/2041
केतु	05/05/2041
शुक्र	04/11/2041
सूर्य	29/12/2041
चंद्र	30/03/2042
मंगल	02/06/2042

शुक्र - गुरु	
02/06/2042	
31/01/2045	
गुरु	10/10/2042
शनि	13/03/2043
बुध	29/07/2043
केतु	24/09/2043
शुक्र	04/03/2044
सूर्य	22/04/2044
चंद्र	12/07/2044
मंगल	07/09/2044
राहु	31/01/2045

शुक्र - शनि	
31/01/2045	
02/04/2048	
शनि	02/08/2045
बुध	13/01/2046
केतु	21/03/2046
शुक्र	30/09/2046
सूर्य	27/11/2046
चंद्र	03/03/2047
मंगल	10/05/2047
राहु	30/10/2047
गुरु	02/04/2048

शुक्र - बुध	
02/04/2048	
31/01/2051	
बुध	26/08/2048
केतु	26/10/2048
शुक्र	16/04/2049
सूर्य	07/06/2049
चंद्र	01/09/2049
मंगल	31/10/2049
राहु	05/04/2050
गुरु	21/08/2050
शनि	31/01/2051

शुक्र - केतु	
31/01/2051	
02/04/2052	
केतु	25/02/2051
शुक्र	07/05/2051
सूर्य	29/05/2051
चंद्र	03/07/2051
मंगल	28/07/2051
राहु	30/09/2051
गुरु	26/11/2051
शनि	01/02/2052
बुध	02/04/2052

सूर्य - सूर्य	
02/04/2052	
20/07/2052	
सूर्य	07/04/2052
चंद्र	16/04/2052
मंगल	23/04/2052
राहु	09/05/2052
गुरु	24/05/2052
शनि	10/06/2052
बुध	26/06/2052
केतु	02/07/2052
शुक्र	20/07/2052

सूर्य - चंद्र	
20/07/2052	
19/01/2053	
चंद्र	04/08/2052
मंगल	15/08/2052
राहु	11/09/2052
गुरु	06/10/2052
शनि	04/11/2052
बुध	30/11/2052
केतु	10/12/2052
शुक्र	10/01/2053
सूर्य	19/01/2053

सूर्य - मंगल	
19/01/2053	
27/05/2053	
मंगल	26/01/2053
राहु	14/02/2053
गुरु	03/03/2053
शनि	24/03/2053
बुध	11/04/2053
केतु	18/04/2053
शुक्र	10/05/2053
सूर्य	16/05/2053
चंद्र	27/05/2053

सूर्य - राहु	
27/05/2053	
20/04/2054	
राहु	15/07/2053
गुरु	28/08/2053
शनि	19/10/2053
बुध	04/12/2053
केतु	24/12/2053
शुक्र	16/02/2054
सूर्य	05/03/2054
चंद्र	01/04/2054
मंगल	20/04/2054

सूर्य - गुरु	
20/04/2054	
07/02/2055	
गुरु	29/05/2054
शनि	15/07/2054
बुध	25/08/2054
केतु	11/09/2054
शुक्र	30/10/2054
सूर्य	13/11/2054
चंद्र	08/12/2054
मंगल	25/12/2054
राहु	07/02/2055

सूर्य - शनि	
07/02/2055	
20/01/2056	
शनि	03/04/2055
बुध	22/05/2055
केतु	11/06/2055
शुक्र	08/08/2055
सूर्य	25/08/2055
चंद्र	23/09/2055
मंगल	13/10/2055
राहु	04/12/2055
गुरु	20/01/2056

सूर्य - बुध	
20/01/2056	
25/11/2056	
बुध	04/03/2056
केतु	22/03/2056
शुक्र	12/05/2056
सूर्य	28/05/2056
चंद्र	23/06/2056
मंगल	11/07/2056
राहु	26/08/2056
गुरु	07/10/2056
शनि	25/11/2056

सूर्य - केतु	
25/11/2056	
02/04/2057	
केतु	02/12/2056
शुक्र	24/12/2056
सूर्य	30/12/2056
चंद्र	10/01/2057
मंगल	17/01/2057
राहु	05/02/2057
गुरु	23/02/2057
शनि	15/03/2057
बुध	02/04/2057

सूर्य - शुक्र	
02/04/2057	
02/04/2058	
शुक्र	02/06/2057
सूर्य	20/06/2057
चंद्र	20/07/2057
मंगल	11/08/2057
राहु	05/10/2057
गुरु	22/11/2057
शनि	19/01/2058
बुध	12/03/2058
केतु	02/04/2058